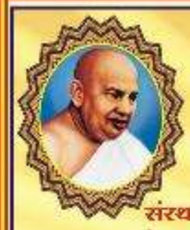

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 18 * दिनांक 15 दिसम्बर 2019 * पृष्ठ : 10 * मूल्य 5/- रुपये

* C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, विसामो बंग्लोज के पास, विसत-गाँधीनगर हाइवे, मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती, अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

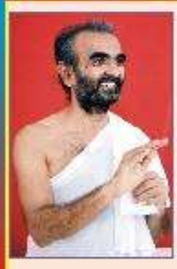

आचार्यदेवेशश्री की शुभ निश्रा में भाण्डवपुर तीर्थ में सूर्य संयम स्वर्ण महोत्सव एवं भव्य उद्यापन आयोजन

संयम पर्याय के 50 वर्षों की अनुमोदनार्थ भव्य पंचाह्निका महोत्सव

रत्नजड़ित आँगी-मुकुट अर्पण एवं सूर्य संयम स्वर्ण स्मारिका लोकार्पण

परम पूज्य पुण्य-सम्राट, साहित्य-मनीषी, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं संयमवयः स्थविर, कृपासिन्धु योगिराजश्री शान्तिविजयजी म. सा. के कृपापात्र शिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में भव्य उद्यापन एवं पू. विदुषी साध्वीवर्या श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. के 50 वें संयम पर्याय पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'श्री सूर्य संयम स्वर्ण पंचाह्निका महोत्सव' दिनांक 28 नवम्बर 2019 से दिनांक 2 दिसम्बर 2019 तक विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों की उपस्थिति में विविध आयोजनपूर्वक के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया।

पुण्य सम्राट के 'पायलट' कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं पू. विदुषी साध्वीवर्या श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री दर्शनकलाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में पंचाह्निका महोत्सव का शुभारम्भ दिनांक 28-12-2019 को हुआ। प्रातः देव-गुरु दर्शन के पश्चात् आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कार्यदक्ष मुनिराजश्री ने उद्यापन एवं संयम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देव-गुरु एवं धर्म की उपासना-आराधना का अलभ्य अवसर हमें इस मानव भव में पूर्व की पुण्याई से प्राप्त हुआ है। इस मानव भव को सफल बनाने के लिए प्रभु वीर के वचनों पर चलते हुए हम सदा धर्मयुत आचरण करते हुए परोपकार की भावना रखते हुए कार्य करेंगे तो निश्चित ही हम वीर के सच्चे और अच्छे सिपाही बनकर अपना आत्मकल्याण कर सकते हैं।

श्री सूर्य संयम स्वर्ण पंचाह्निका महोत्सव में मुनीम बनने का लाभ शाह रणमलजी हिम्मतमलजी श्रीश्रीमाल परिवार-दाधाल ने लिया तथा माला द्वारा बहुमान करने का लाभ शाह माँगीलालजी अनराजजी मुलतानमलजी पालगोताचौहान परिवार-राजनगर (ऊनड़ी)-चैन्नई, तिलक द्वारा बहुमान करने का लाभ शाह रिखबचन्दजी सरूपाजी सोफाड़िया परिवार-रेवतड़ा, साफा-चूनड़ी द्वारा बहुमान करने का लाभ शाह मीठालालजी मनोहरमलजी झोटा धर्मपत्नी भाग्यवन्तीबाई परिवार-दाधाल-कोयम्बटूर एवं श्रीफल

द्वारा बहुमान करने का लाभ शाह मुलतानमलजी मेसाजी बाफना परिवार-पाँथेड़ी-चैन्नई ने लिया।

प्रथम दिवस को प्रातः नास्ता के लाभार्थी संघवी साँवलचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार-मेंगलवा-चैन्नई-दिल्ली-मुम्बई, दोपहर की नवकारसी के लाभार्थी शा. दरगचन्दजी शान्तिलालजी, सुपुत्र हरकचन्दजी संकलेचा परिवार-मदुरै, शाम की नवकारसी के लाभार्थी शा. भीमराजजी जुटाजी छत्रियावोरा परिवार-सुराणा-कोयम्बटूर-अहमदाबाद-मुम्बई-हैदराबाद-दिल्ली, प्रभावना के लाभार्थी शा. गोमराजजी हंजारीमलजी रायगाँधी परिवार-डुडसी एवं अंगरचना के लाभार्थी श्रीमती पुष्पादेवी ताराचन्दजी भण्डारी परिवार-सेरणा हाल- जोधपुर निवासी ने लिया। सभी लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया गया।

दोपहर संगीत की मधुर स्वरलहरियों के साथ उवसग्गहरम् महापूजन पढ़ाया गया जिसका लाभ शाह मिश्रीमलजी मादाजी बालगोता परिवार-मेंगलवा-वारंगल-कोयम्बटूर ने लिया।

दिनांक 29-11-2019 को महोत्सव के द्वितीय दिन धर्मसभा में प. पू. कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने प्रवचन प्रदान करते हुए कहा कि इन्द्रियों की रस गृद्धिता में दुःखों की प्राप्ति एवं निरोध में सुख की प्राप्ति होती है। सुखाभास को ही सुख मानकर मानव दुःखों के चक्र में दिन-रात फँसता जाता है तथा ममत्व का त्याग एवं समत्व के संयोग से ही आत्मिक सुखों की प्राप्ति हो जाती है। मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. ने भावना की प्रधानता बताते हुए जीवन में सभी जीवों के प्रति मैत्री एवं करुण भावना को हृदयंगम करने हेतु प्रेरित किया। प्रवचन पश्चात् लाभार्थी परिवार द्वारा प्रभावना वितरीत की गई।

महोत्सव में प्रातः नास्ता का लाभ शा. महेन्द्रकुमारजी जेठमलजी भण्डारी परिवार-सुराणा ने, दोपहर नवकारसी का लाभ शा. जीतमलजी देवीचन्दजी पालगोताचौहान परिवार-ऐलाणा-बैंगलुरु ने, शाम की

(शेष पृष्ठ 2 पर)

50 वें संयम-पर्याय पर करते हम सब वन्दन-अभिनन्दन

नवकारसी का लाभ शा. रणजीतमलजी ईराजी भंसाली, पाँथेड़ी-बैंगलुरु ने, सायं की नवकारसी शा. रणजीतमलजी इंराजी भंसाली परिवार-पाँथेड़ी ने लिया।

दोपहर में श्री ऋषिमण्डल महापूजन ठाठ-बाट से पढ़ाया गया जिसका लाभ शाह शान्तिलालजी डायालालजी परीख परिवार-थराद-अहमदाबाद ने लिया। प्रभावना व अंगरचना का लाभ शाह हरकचन्दजी रुगनाथमलजी श्रीश्रीश्रीमाल गुडालगोत्रीय संघवी परिवार-आलासन-तिरुनेलवेली ने लिया।

महोत्सव के तृतीय दिवस प्रातः दिवाकर की पहली किरण के साथ ही शहनाई की सुमधुर ध्वनि तीर्थ परिसर में गूँज उठी। उपस्थित गुरुभक्तों ने तीर्थपति एवं गुरु मन्दिरों में दर्शन-पूजन-वन्दन करके सजधज कर प्रवचन मण्डप के बाहर एकत्रित होने लगे क्योंकि सायला में आयोजित जीवित महोत्सव में निश्रा प्रदान कर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. का आज तीर्थ परिसर में पदार्पण होने वाला था। पूज्य गुरुदेव के आगमन पर स्वागत करने को सभी गुरुभक्त आतुर थे। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. के नेतृत्व में प्रातः 10 बजे भुण्डवा ग्राम स्थित पेट्रोल पम्प से आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के पदार्पण की

मंगल वेला में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य आकर्षण का केन्द्र घोड़ा-बग्घी थी जिसमें भगवान को समर्पण करने की रत्नजड़ित आँगी लिये लाभार्थी शा. सुखराजराजजी चमनाजी कबदी परिवार धानसा बैठे थे। अन्य जीप रथों में तीर्थपति एवं गुरु परम्परा के चित्र लेकर लाभार्थी परिवार बैठे थे। जीप रथ, घोड़ा बग्घी चान्दी के रथ में भगवान को लेकर शा. रमेशकुमार गोमराजजी रायगाँधी-हुडसी बैठे थे। अनेक झाँकियों के साथ, गजराज,

संगीत की मधुर धुनें बजाता बैण्ड, ढोल, मारवाड़ की प्रसिद्ध गैर पार्टी नृत्य करती हुई चल रही थी। आचार्यदेवेशश्री एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी के दर्शन-वन्दन के पश्चात् शोभायात्रा पुनः

भाण्डवपुर तीर्थ की ओर रवाना हुई। शोभायात्रा में मारवाड़ी परम्परा का निर्वहन करते हुए साफे पहन कर चल रहे श्रावकगण नृत्य करते हुए एक स्वर में जयघोष से गगन गुँजायमान कर रहे थे। साध्वीवर्याश्री एवं श्रमणिवृन्द के पीछे श्राविकाएँ सिर पर मंगल कलश धारण कर सुसज्जित परिधान में गीत गुँजार करते चल रही थी। रजत कलश से सामैया का लाभ

पादरू निवासी शा. मीठालालजी मिश्रीमलजी बाफना परिवार ने लिया। गजराज पर बैठने का लाभ श्री जियाबेन प्रकाशभाई सवाणी परिवार धानेरा ने लिया। शोभायात्रा तीर्थ परिसर में पहुँच कर जिनालय में दर्शन-वन्दन कर प्रवचन मण्डप में जाकर विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

धर्मसभा में प. पू. आचार्यदेवेशश्री ने मंगलाचरण करने के पश्चात् अपनी विशिष्ट शैली में सम्बोधित करते हुए कहा कि 50 वर्षों के संयम पर्याय में मेरे प्रत्येक कार्य में लसु बावसी (श्री सूर्यकिरणाजी म. सा.) ने समय-समय पर पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आपश्री ने अनेक प्रमुख घटनाओं का स्मरण कराते हुए अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान करते हुए दीर्घायु होने की मंगलकामना की।

समाज में चल रही अव्यवस्थाओं के लिए आचार्यदेवेशश्री ने कहा कि कमजोरी आना यह पाप का उदय है। बचाव पक्ष इतना निम्न स्तर पर उतर रहा है कि उसे गुरु गच्छ मर्यादाओं का भान ही नहीं है। उनका समाधान नितान्त आवश्यक है और शीघ्र होना चाहिये। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे क्षेत्रीय विधायक श्री जोगेश्वरजी गर्ग एवं पूर्व विधायक श्री रामलालजी मेघवाल को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि दोनों ने भाण्डवाजी के कार्य को बढ़ाया है। सड़क मार्ग के लिए खूब परिश्रम किया उसके लिए ट्रस्ट की ओर से एवं मेरी ओर से साधुवाद देना चाहता हूँ और साथ ही अब मैं कहना चाहता हूँ कि नर्मदा का मीठा पानी भेज देवें। सड़क के कार्य में श्री जोगेश्वरजी का सहयोग सराहनीय रहा है और सड़क के आजू-बाजू वृक्षारोपण के कार्य में श्री रामलालजी का सहयोग प्रशंसनीय और अनुमोदनीय रहा है। अब सड़क का पूरा नवीनीकरण कार्य हो रहा है तो मैं निवेदन करता हूँ कि सड़क का कार्य समापन होने पर सड़क के आजू-बाजू पुनः वृक्षारोपण करने की बात कही और साथ में यह भी कहा कि भाण्डवपुर ट्रस्ट इस कार्य में पूर्ण रूप से सहयोग करेगा।

तीर्थ विकास की बात करते हुए आचार्यदेवेशश्री ने कहा कि जैसे ही आवश्यक निर्माण कार्य पूर्ण होते हैं तो इस तीर्थ भूमि पर ऐसी प्रतिष्ठा मेरे जीवन की करवाने की चाहना है कि वैसी मुझसे दूसरी नहीं हो। इस क्षेत्र में महावीर को सब मानते है। मन्दिर की रक्षा एवं सुरक्षा का कार्य आसपास

(शेष पृष्ठ 3 पर)

झीणो-झीणो उड़े रे गुलाल सूर्य संयम स्वर्ण महोत्सव में

के सनातनी ही करते है। आगामी विकास यात्रा के चरण में प्रतिष्ठा के पश्चात् तीर्थ परिसर में साधु-सन्तों के लिए अध्ययन हेतु विद्यापीठ बनाने की भावना व्यक्त की।

विधायक श्री जोगेश्वरजी एवं श्री रामलालजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीर्थ विकास में हमारा पूर्ण सहयोग है और रहेगा। ट्रस्ट मण्डल की ओर से दोनों का बहुमान किया गया। यतीन्द्र वाणी के सम्पादक एवं राष्ट्रीय कवि कुलदीप प्रियदर्शी ने भाण्डवपुर तीर्थ एवं आचार्यदेवेश के जीवन वृत्त पर सरवर काव्यपाठ किया तो पूरा पाण्डाल करतल ध्वनि से गुँजायमान हो गया।

प्रवचन सभा के पश्चात् आचार्यदेवेशश्री आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द एवं सकल श्रीसंघ के साथ तीर्थाधिपतिश्री महावीर प्रभु को रत्नजड़ित आँगी एवं मुकुट समर्पण करने लाभार्थी परिवार धानसा निवासी श्रेष्ठिवर्य श्री सुखराजजी चमनाजी कबदी परिवार (गोल्डन ग्रुप-मुम्बई) शोभायात्रा के साथ जिनालय पहुँचे, जहाँ मन्त्रोच्चार एवं भाव-भक्ति के साथ प्रभु को आँगी समर्पित की गई।

आचार्यदेवेशश्री के मंगल पदार्पण पर प्रातः नास्ता का लाभ शाह कुन्दनमलजी अन्नाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा-मदुराई ने, दोपहर

नवकारसी का लाभ श्री भगवानचन्दजी केशाजी फोलामुथा परिवार, सायला ने, सायं नवकारसी का लाभ शाह भँवरलालजी भारताजी फोलामुथा परिवार, सायला ने लिया। दोपहर में श्री राजेन्द्रसूरि गुरुपद महापूजन का लाभ श्री भगवानचन्दजी केशाजी फोलामुथा परिवार, सायला, प्रभावना का लाभ शाह नेनमलजी साहेबचन्दजी बालगोता परिवार, मेंगलवा ने एवं अंगरचना का लाभ शाह जुगराजजी मुन्नीलालजी ओबाणी परिवार, पोषाणा-सुमेरपुर ने लिया। सभी लाभार्थी परिवारों का तिलक, माला, श्रीफल, साफा द्वारा बहुमान किया गया।

प. पू. विदुषी साध्वीवर्या श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. के 50 वें संयम पर्याय के उपलक्ष्य में श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट), श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित बहुरंगी मुद्रित 'सूर्य संयम स्वर्ण स्मारिका' का लोकार्पण लाभार्थी श्री सौधर्मबृहत्पोगच्छीय जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ, आलासन द्वारा किया गया। लोकार्पित स्मारिका की प्रथम प्रतियाँ आलासन श्रीसंघ द्वारा पू. आचार्यदेवेशश्री एवं पू. साध्वीवर्या को अर्पित की गई। स्मारिका में अनेक आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणियों की शुभकामनाओं के अतिरिक्त पू. साध्वीवर्या की जीवन-झलक शब्दों और चित्रों में प्रकाशित की गई है, साथ ही भाण्डवपुर तीर्थ में पूर्वाचार्यों का योगदान और शान्ति-जयन्त कृपापात्र श्री जयरत्नसूरिजी म. सा. द्वारा तीर्थ में योगदान की संक्षिप्त एवं सारगर्भित जानकारी का प्रकाशन किया गया है।

महोत्सव के चतुर्थ दिवस दिनांक 1-12-2019 को भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का भाण्डवपुर तीर्थ से प्रातः शुभमुहूर्त में श्री शत्रुंजय तीर्थ की ओर विहार किया गया। पूज्य आचार्यश्री वालीं, झाब, साँचोर, थराद, भाभर, राधनपुर व शंखेश्वर तीर्थ होते हुए दिनांक 10-12-2019 को वल्लभीपुर तीर्थ में प्रवेश करेंगे, यहाँ से दिनांक 11-12-2019 को पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय की शुभनिश्रा में वल्लभीपुर तीर्थ से श्री शत्रुंजय तीर्थ छःरि पालित संघ प्रस्थान करेगा, जिसकी संघ माला दिनांक 15-12-2019 को होगी।

विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों ने पूज्य आचार्यदेवेशश्री को तीर्थ परिसर से विदाई दी। आचार्यश्री ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए उपस्थित गुरुभक्तों को माँगलिक श्रवण कराया।

धर्मसभा में प्रवचन प्रदान करते हुए परम पूज्य कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने कहा कि मनुष्य को मोक्ष मार्ग पर प्रशस्त होने के लिए नियमित धर्मक्रिया में लीन रहना आवश्यक है और जीवन में धर्माचरण करने वाला मनुष्य सदा सुखी रहता है।

चतुर्थ दिवस को प्रातः नास्ता का लाभ श्री पंच महाजन समस्त, श्री धर्मनाथ-राजेन्द्र जैन पेढ़ी, चौराऊ ने, दोपहर की नवकारसी का लाभ श्री

साँकलचन्दजी समरथाजी एवं रिखबचन्दजी आदाजी तलावट परिवार, उम्मेदाबाद (गोल) ने, शाम नवकारसी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार, पादरू ने लिया। दोपहर को श्री 108 पार्श्वनाथ महापूजन का लाभ शाह माणकचन्दजी लुम्बाजी कोठारी परिवार, सियाणा-ऊँझा ने, प्रभावना का लाभ शाह कोजमलजी बाँठिया परिवार, बालोतरा ने तथा अंगरचना का लाभ मुथा शाह कुन्दनमलजी धर्माजी गुलेच्छा परिवार, सायला-मदुराई ने लिया।

पंचाह्निका महोत्सव के अन्तिम दिन पू. साध्वीवर्या श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. के 50 वें संयम-पर्याय पर प्रातः 8 बजे तीर्थ

परिसर में विराजित साध्वी मण्डल की निश्रा में चौवीसी मंगलगीत का आयोजन किया गया।

मंगलगीत के पश्चात् मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं साध्वीवृन्द की निश्रा में बैण्ड, ढोल एवं सकल श्रीसंघ के साथ बाजते-गाजते तीर्थाधिपति श्री महावीर प्रभु के, दादा गुरुदेवश्री के, पुण्य-सम्राटश्री के एवं योगिराज गुरुदेवश्री के दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् प्रवचन मण्डप तक शोभायात्रा पहुँची, जहाँ द्वार पर साध्वीवर्याश्रीजी को अक्षत से

(शेष पृष्ठ 8 पर)

आचार्यदेवेश्री की शुभ निश्रा में श्री भाण्डवपुर तीर्थ में आयोजित श्री सूर्य संयम स्वर्ण पंचाह्निका महोत्सव की चित्रमय झलकियाँ

भव्य शोभायात्रा

आचार्यदेवेशश्री की शुभनिश्रा में तीर्थाधिपतिश्री को श्री सुखराजजी चमनाजी कबदी परिवार नवनामिराम आँगी समर्पण करते हुए

बहुमान

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

गच्छाधिपतिश्री की शुभ निश्रा में साधु-साध्वी की योगोद्वहन विधि शुरू बृहद् दीक्षा श्री गिरनार तीर्थ पर

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) वर्षावास के पश्चात् पालीताणा तीर्थ की ओर विहार यात्रा प्रारम्भ हुई।

दिनांक 24 नवम्बर 2019 को भाभर में प्रतिष्ठोत्सव सहित पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. का अवतरण दिवस जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ मनाया गया और मुमुक्षु चाँन्दनी की दीक्षा का कार्यक्रम महोत्सवपूर्वक सुसम्पन्न कर मार्ग में धर्म सन्देश प्रदान करते दाहोद होते हुए श्री कलिकुण्ड तीर्थ पधारे।

श्री कुमारपालभाई वी. शाह दर्शन-वन्दन करते

श्री कलिकुण्ड तीर्थ के दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् तीर्थ परिसर में गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन करने का लाभ शासनरत्न श्री कुमारपालभाई वी. शाह ने लिया। गच्छाधिपतिश्री आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द विहारानुक्रम में आए तीर्थों की स्पर्शना करते हुए दिनांक 9 दिसम्बर 2019 को अयोध्यापुरम् तीर्थ पधारे।

अयोध्यापुरम् तीर्थ के प्रांगण में दादा आदिनाथ प्रभु की निर्मल छाँव में गच्छाधिपतिश्री की पावन निश्रा में 22 श्रमण-श्रमणिवृन्द की बृहद् दीक्षा के योग एवं 23 श्रमण-श्रमणिवृन्द के 32 दिवसीय जोगक्रिया की विधि प्रारम्भ हुई। बृहद् दीक्षा दिनांक 5 जनवरी 2020 को श्री गिरनार तीर्थ की पुण्य धरा पर सुसम्पन्न होगी।

दिनांक 10 दिसम्बर 2019 को श्री वल्लभीपूर तीर्थ में पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसंनसूरिजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का मधुर मिलन हुआ।

प्रातः 11 बजे श्री वल्लभीपुर तीर्थ में भव्य सामैयापूर्वक पट्टधरद्वय का मंगल प्रवेश हुआ। श्री वल्लभीपुर तीर्थ से श्री शत्रुंजय तीर्थ छःरि पालित संघ आयोजक शा. छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा जैन चेरिटेबल ट्रस्ट-सायला के परिवारजनों एवं महिलाओं ने सामैया एवं गहुँली कर मंगल प्रवेश करवाया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की शुभ निश्रा में दिनांक 11 दिसम्बर 2019 को विशाल संख्या में यात्री, साधु-साध्वी एवं श्राविकाओं सहित प्रयाण करेगा। संघमाला दिनांक 15 दिसम्बर 2019 को श्री शत्रुंजय तीर्थ पर सुसम्पन्न होगी।

योगी-वाणी

ऐसा ही सत्य कहना चाहिए जो दूसरों की प्रसन्नता का कारण हो।

जो सत्य दूसरों के दुःख का कारण हो, उस सम्बन्ध में बुद्धिमान व्यक्ति को मौन ही रहना चाहिए।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

श्री भाण्डवपुर महातीर्थगुरु सप्तमी एवं 46 वाँ संयम पर्याय दिवस

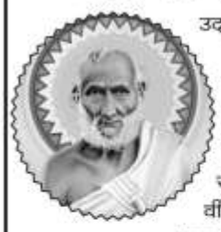

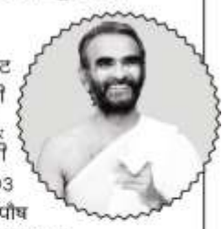

उदयपुर (स. सं.),

प्रगट प्रभावी, मरुधर मुकुट शिरोमणि, अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में प. पू. विश्वपूज्य दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की 193 वीं जन्म एवं 113 वीं पुण्यतिथि पौष शुक्ला गुरु सप्तमी पर्व 2 जनवरी 2020 को एवं प. पू. भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. के 46 वें संयम पर्याय दिवस 1 जनवरी 2020 को भव्य रूप से विविध आयोजनों के साथ मनाया जावेगा।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रत्नत्रयी महोत्सव का शुभारम्भ 31 दिसम्बर 2019 से होगा। पूज्य आचार्यदेवेशश्री का मंगल प्रवेश भी इसी दिन होगा। रत्नत्रयी महोत्सव का सम्पूर्ण लाभ शा. छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा जैन चेरिटेबल ट्रस्ट-सायला ने लिया है।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संघवी श्री माँगीलालजी फोलामुथा का आभार व्यक्त किया गया।

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश

श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

की निश्रा में

आगामी धर्म प्रभावनाएँ

तीर्थाधिराज श्री शत्रुंजय तीर्थ में श्री वल्लभीपुर तीर्थ से श्री शत्रुंजय तीर्थ छःरि पालित संघमाला सुसम्पन्न करवा कर पौष दशमी दिनांक 21-12-2019 श्री शंखेश्वर तीर्थ में।

दिनांक 22-12-2019 - पाटन

दिनांक 23-12-2019 - ऊँझा
श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा आमन्त्रण पत्रिका लेखन कार्यक्रम प्रातः 9.30 बजे। दोपहर विहार

दिनांक 27-12-2019 - दूधवा
गुरुदेवश्री विद्याचन्द्रसूरीश्वर एवं योगिराजश्री शान्तिविजय गुरुमूर्ति प्रतिष्ठा।

दिनांक 31-12-2019 - श्री भाण्डवपुर तीर्थ में मंगल प्रवेश

दिनांक 1 जनवरी 2020 - आचार्यदेवेशश्री का 45 वाँ संयम-पर्याय दिवस

दिनांक 2 जनवरी 2020 - गुरुसप्तमी पर्व

दिनांक 26 जनवरी 2020 - ऊँझा नगर में प्रतिष्ठोत्सव हेतु मंगल प्रवेश

दिनांक 27 जनवरी 2020 - गुरु मन्दिर प्रतिष्ठोत्सव

दिनांक 5 फरवरी 2020 - साँचोर नगर में गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा हेतु मंगल प्रवेश

दिनांक 4-8 फरवरी 2020 - साँचोर में गुरु मन्दिर प्रतिष्ठोत्सव

दिनांक 11 फरवरी 2020 - श्री भाण्डवपुर तीर्थ में मंगल प्रवेश दीक्षोत्सव प्रारम्भ

दिनांक 13 फरवरी 2020 - श्री आजादकुमार जैन की भागवती प्रवज्या

शेष आगामी कार्यक्रम गुरुसप्तमी पर्व पर घोषित होंगे।

-सम्पादक

नोट- 1. लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके।

2. जिन ग्राहकों को नियमित यतीन्द्र वाणी नहीं मिल रहा हो वे भी प्रधान कार्यालय से पत्र व्यवहार करके या 09426285604 नम्बर पर सम्पर्क करके पते आदि में सुधार करवा लेवें जिससे आपको समय पर नियमित अंक प्राप्त होता रहे। -सम्पादक

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

साध्वीश्री की निश्रा में ध्वजारोहण

पिपलौदा (स. सं.),

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम, पिपलौदा में पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभ निश्रा में सकल जैन श्रीसंघ की उपस्थिति में प्रतिष्ठा की तृतीय वर्षगाँठ महोत्सव के रूप में मनाई गई।

साध्वीश्री की शुभ निश्रा में दिनांक 2 दिसम्बर 2019 को श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मन्दिर एवं श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर पर विधिविधान के साथ ध्वजारोहण किया गया। प्रातः 7.30 बजे विधिकारक श्री पंकजकुमार चौपड़ा, खाचरौद द्वारा श्री सत्तरभेदी महापूजन पढ़ाई गई। प्रातः 8 बजे ध्वजा का चल समारोह धींग निवास से प्रारम्भ हुआ जो नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ दादावाड़ी पहुँचा। दादावाड़ी में प्रातः 10.15 बजे शुभमुहूर्त में ॐ पुण्याहं, पुण्याहं के मन्त्रोच्चारण के साथ श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मन्दिर की अमर ध्वजा लाभार्थी श्री बाबूलाजी ऋषभकुमारजी धींग परिवार एवं श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर की अमर ध्वजा लाभार्थी पुखराज बहन इन्दरमलजी कोलन परिवार बड़ावदा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात् प्रातः 11 बजे धींग परिवार द्वारा स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया।

जैन मन्दिर में 20 वाँ ध्वजारोहण सम्पन्न

नागदा (स. सं.),

जैन कॉलोनी स्थित श्री शान्तिनाथ जैन मन्दिर, नागदा में 20 वाँ वार्षिक ध्वजारोहण समारोह साध्वीश्री संघवणश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-7 एवं साध्वीश्री उपेन्द्रयशाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4 की पावन निश्रा में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर साध्वीश्री की पावन निश्रा में प्रातः शक्रस्तव महाभिषेक स्नात्र पूजा एवं श्री सत्तरभेदी पूजा पढ़ाई गई। शुभमुहूर्त में आहोर निवासी संघवी श्री कुन्दनमलजी भूताजी परिवार की ओर से परम गुरुभक्त श्री जे. के. संघवी, आहोर-थाने द्वारा विधिविधान के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर गणमान्य, समाजजन एवं गुरुभक्त उपस्थित रहे।

संघवी परिवार द्वारा तीर्थाधिराज की यात्रा

उदयपुर (स. सं.),

थाने-आहोर निवासी संघवी कुन्दनमलजी भूताजी परिवार आयोजित 45 वर्ष पूर्व आहोर से श्री सिद्धाचलजी तीर्थ छःरि पालित संघ के अनुमोदनार्थ श्री जे. के. संघवी एवं श्री के. के. संघवी द्वारा श्री शान्तिधाम मानपाड़ा से शंखेश्वर धाम इक्कीस पूनम पदयात्रा करने वाले 81 पदयात्रियों को श्री शत्रुंजय तीर्थ की यात्रा करवाई गयी।

थाने से अहमदाबाद संघवी परिवार के सांसारिक पुत्र श्री अर्पणविजयजी म. सा. के दर्शन-वन्दन कर वासणा तीर्थ, मणिलक्ष्मी तीर्थ होते हुए श्री शत्रुंजय तीर्थ पहुँचे। गिरिराज की यात्रा के बाद यतीन्द्र भवन में विराजित पुण्य-सम्राटश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री अपूर्वरत्नविजयजी म. सा., श्री अजीतसेनविजयजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन एवं व्याख्यान श्रवण करने के पश्चात् संघवी परिवार तपस्वी आराधकों का बहुमान किया गया।

50 वें संयम-पर्याय पर मैसूर में आयोजन

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी दीर्घसंयमी, साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. के 50 वें संयम-पर्याय दिवस के उपलक्ष्य में अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक एवं महिला परिषद्-मैसूर द्वारा दो दिवसीय आयोजन किया गया।

दिनांक 1-12-2019 को सामूहिक आयम्बिल प्रभावना सहित एवं गाँव साँझी रखी गई। साँझी में प्रश्नोत्तर एवं 50 गिफ्ट रखे गये तथा संसार की असारता को दर्शाते हुए परिषद् द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया।

दिनांक 2-12-2019 को संयम-पर्याय के दिन पू. साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में प्रातः 6 बजे कबूतर दान श्री सुविधिनाथ-राजेन्द्रसूरि ट्रस्ट मण्डल के तत्वावधान में किया गया। 9.30 बजे गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें अनेक वक्ताओं और साध्वी मण्डल ने गुणानुवाद करते हुए पूज्या साध्वीश्री के शतायु होने की मंगलकामनाएँ की। दोपहर 2.30 बजे जिनालय में पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई गई एवं सायं नयनाभिराम अंगरचना की गई तथा भव्य आरती की गई।

इस अवसर पर मैसूर श्रीसंघ एवं परिषद् के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मुनिराजश्री की निश्रा में भव्य वर्षीदान वरघोड़ा

भाण्डवपुर (स. सं.),

प. पू. भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. का ओटवाला में दिनांक 2 दिसम्बर 2019 को प्रातः 7.30 बजे भव्य मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश के पश्चात् प्रातः 9.30 बजे मुमुक्षु नीलमकुमारी का भव्य वर्षीदान वरघोड़े का आयोजन मुनिराजश्री की निश्रा में आयोजित किया गया।

मुनिराजश्री की पावन निश्रा में दिनांक 2 दिसम्बर 2019 को सायं आलासन में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। दिनांक 3 दिसम्बर 2019 को प्रातः 9.30 बजे मुमुक्षु मनीषाकुमारी का वर्षीदान वरघोड़ा आयोजित किया गया। मुनिराजश्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि संयम का मार्ग पूर्वजन्म की पुण्याई से प्राप्त होता है और वीतराग प्रदत्त इस मार्ग पर चलकर आत्मा अपना एवं पर का आत्मकल्याण करते हुए परम पद को प्राप्त कर सकता है। धर्मसभा में मुमुक्षु मनीषाकुमारी का बहुमान किया गया।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में बर्तन व कम्बल वितरण

भाण्डवपुर (स. सं.),

अतिप्राचीन तीर्थ श्री भाण्डवपुर में आयोजित श्री सूर्य संयम स्वर्ण महोत्सव के उपलक्ष्य में सुराणा निवासी शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा (मिलियन ग्रुप)

द्वारा तीर्थ परिसर में कार्यरत सभी कर्मचारियों को थाली, कटोरी, ग्लास, थेली, कम्बल एवं मिठाई का वितरण यहाँ विराजित प. पू. कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं साध्वीवर्या श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में दानदाता परिवारजनों द्वारा वितरण किया गया।

भाण्डवपुर तीर्थ में भक्तों का दर्शनार्थ आगमन

भाण्डवपुर (स. सं.),

अतिप्राचीन तीर्थ श्री भाण्डवपुर में प्रतिदिन गुरुभक्तों का दर्शनार्थ आगमन हो रहा है। इसी क्रम में दिनांक 4 दिसम्बर को तीर्थ परिसर में श्री जीवाणा जैन संघ के प्रतिनिधि पधारे। तीर्थाधिपतिश्री एवं गुरु स्मारकों के दर्शन-वन्दन-पूजन के पश्चात् प. पू. कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. की निश्रा में पूज्य आचार्यदेवेश के आदेश से आगामी 13 फरवरी 2020 के शुभ दिन भाण्डवपुर महातीर्थ में नूतन निर्मित प्रवेश द्वार का उद्घाटन कराने की जय बोली गई। स्मरण रहे इसी दिन पिपलौदा निवासी मुमुक्षु श्री आजादकुमार की भागवती दीक्षा होगी।

दर्शन-पूजन करने श्री रेवतड़ा श्रीसंघ के प्रतिनिधि भी पधारे। दर्शन-पूजन कर विराजित मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. व साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि को दर्शन-वन्दन कर सुखशाता पूछी। मेंगलवा, महिदपुर सिटी एवं भीनमाल से भी गुरुभक्त पधारे।

आचार्यश्री के दर्शनार्थ ऊँझा संघ का आगमन

भाण्डवपुर (स. सं.),

परम पूज्य राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, प्रवचनकार आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की श्री शत्रुंजय तीर्थ पालीताणा वल्लभीपुर तीर्थ की ओर विहारानुक्रम में लीमड़ी से बोराणा विहारधाम में स्थिरता रही।

श्री राजेन्द्रसूरि आराधना ट्रस्ट ऊँझा के प्रतिनिधि दर्शनार्थ पहुँचे। दिनांक 31 जनवरी 2020 को ऊँझा में आयोजित गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा सम्बन्धी सभी तैयारियाँ करने के सन्दर्भ में विस्तार से आचार्य भगवन्तश्री से परामर्श करते हुए मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रतिनिधि मण्डल ने आचार्यदेवेशश्री से प्रतिष्ठा आमन्त्रण-पत्रिका लेखन के प्रसंग पर ऊँझा पधारने हेतु भावभरी विनन्ती की। आचार्यदेवेशश्री ने प्रतिनिधि मण्डल को अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान करते हुए माँगलिक श्रवण कराया।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

वधाने का लाभ श्री भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा (मिलियन ग्रुप) परिवार, सुराणा लिया । द्वार पर प्रथम गहुँली करने का लाभ श्री कालूचन्दजी हंजाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा ने लिया ।

प्रवचन मण्डप में आयोजित संयम वन्दनावली कार्यक्रम में पुण्य-सम्राटगुरुदेवश्री के 'पायलट' एवं कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने 50 वें संयम-पर्याय की अनुमोदना करते हुए कहा कि मैं श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. का अत्यन्त ऋणी हूँ और इस ऋण से मैं कभी भी उऋण नहीं हो सकता हूँ । इन्होंने मुझे ममतामयी वात्सल्य प्रदान किया और साथ ही बाल्यकाल से ही मेरी प्रेरणा-स्रोत रही हैं । मैं आपके 50 वें संयम-पर्याय की बारम्बार अनुमोदना करते हुए आत्मीय भाव से शुभकामनाएँ प्रकट करते हुए श्री जिनेश्वरदेव एवं दादागुरुदेव से अभ्यर्थना करता हूँ कि वे शतायु हो, स्वस्थ रहें एवं जिनशासन एवं गुरुगच्छ की प्रभावना के सुकृत्य निरन्तर करते रहे ।

संयम वन्दनावली कार्यक्रम में लेटा के पूज्य महन्तश्री रणछोड़भारतीजी भी मंगलकामना देने पधारे और पूज्या साध्वीवर्याश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया । मिलियन ग्रुप के श्री दाड़मचन्दजी छत्रियावोरा ने अपने भाव प्रकट करते हुए साध्वीजी के संयम-पर्याय की खूब-खूब अनुमोदना की ।

संयम वन्दनावली कार्यक्रम को सूरत से पधारे पण्डितश्री धरणेन्द्रजी ने भावपूर्ण शब्दों में संयम की महत्ता का वर्णन करते हुए सभी को भाव विभोर कर दिया ।

यतीन्द्र वाणी के सम्पादक एवं राष्ट्रीय कवि कुलदीप 'प्रियदर्शी' ने गीत के माध्यम से- आई रे आई स्वर्ण जयन्ती सबके मन को भाई । सूर्यकिरणाजी बने शतायु सबने भावना भाई... शुभकामनाएँ प्रदान की ।

भाण्डवपुर तीर्थ पेढ़ी की ओर से पूज्य महन्तश्री रणछोड़भारतीजी, पण्डितश्री धरणेन्द्रजी एवं कुलदीप प्रियदर्शी का विशेष बहुमान किया गया ।

संयम-पर्याय की अनुमोदनार्थ पूज्या साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. को ओघा वोहराने का लाभ श्री कालूचन्दजी हंजाजी संकलेचा परिवार-मेंगलवा ने, मुहपत्ति का लाभ श्री हीराचन्दजी समरथमलजी झोटा परिवार-दाधाल ने, कपड़ा वोहराने का लाभ शा. भगवानचन्दजी केशाजी फोलामुथा

परिवार-सायला ने, नवकारवाली वोहराने का लाभ श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी ओसवाल परिवार-पादरू ने, ठवणी वोहराने का लाभ श्री सायरमलजी गणेशमलजी छत्रियावोरा परिवार-सुराणा ने, पुस्तक वोहराने का लाभ नगर सेठ शा. धुड़ाजी छत्रियावोरा परिवार-जीवाणा ने, डण्डासन वोहराने का लाभ शा. मीठालालजी नेनाजी संकलेचा परिवार-मेंगलवा ने, पात्रा वोहराने का लाभ श्री कान्तिलालजी साँकलचन्दजी हुकमाणी परिवार-पाँथेड़ी ने, कामली वोहराने का लाभ श्री किशोरकुमारजी साँवलचन्दजी बालगोता परिवार-मेंगलवा ने, आसन वोहराने का लाभ श्रीमती गुणीदेवी सुमेरमलजी बालगोता परिवार-मेंगलवा ने, दर्शन चौवीसी का लाभ श्री पुखराजजी जेठमलजी मुणोत परिवार-जीवाणा ने, स्थापनाचार्यजी पाटली का लाभ श्रीमती गीताबेन विनोदभाई झवेरी परिवार-पाटण ने, सन्थारिया का लाभ श्री भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा परिवार-सुराणा (मिलियन ग्रुप) ने, पादप्रक्षालन एवं पगलिया का लाभ श्री मिश्रीमलजी मादाजी बालगोता परिवार-मेंगलवा ने गुरुपूजन का लाभ श्रीमती गीताबेन विनोदभाई झवेरी-पाटण ने तथा केसर छाँटणा का लाभ श्रीमती मोहिनीदेवी साँवलचन्दजी बालगोता परिवार-मेंगलवा ने लिया ।

इस अवसर पर स्थानीय थानाप्रभारी श्री सवाईसिंहजी, निकटवर्ती

क्षेत्रों से श्रीसंघ एवं अनेक नगरों के पधारे गुरुभक्त उपस्थित थे ।

प्रातः नास्ता का लाभ शाह घेवरचन्दजी आदाजी छत्रियावोरा परिवार, सुराणा ने, दोपहर की नवकारसी का लाभ शाह मिश्रीमलजी मादाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा-कोयम्बटूर-वारंगल ने सायं की नवकारसी का लाभ शाह हंजारीमलजी अनाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा ने लिया । दोपहर में श्री वीशस्थानक महापूजन का लाभ श्रीमती मन्जूदेवी रमेशचन्दजी कोलचन्दजी बाफना परिवार, भीनमाल-मुम्बई ने, प्रभावना का लाभ शाह घेवरचन्दजी चुनाजी भंसाली (मालाणी) परिवार, उम्मेदाबाद (गोल) ने एवं अंगरचना का लाभ मातुश्री कान्ताबेन चन्दुलाल मफतलाल वोहेरा परिवार, दुधवा-थराद-मुम्बई ने लिया ।

पंचाह्निका महोत्सव में प्रतिदिन निकटवर्ती क्षेत्रों के अतिरिक्त सायला, धुम्बड़िया, साँचोर, भीनमाल, जालोर, चौराऊ, मेंगलवा,, अहमदाबाद, नेनावा, धानेरा, ऊँझा, सुराणा, जीवाणा, बालोतरा, उम्मेदाबाद (गोल), पादरू, दुधवा, थराद, पाटण, उदयपुर, मुम्बई, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि से गुरुभक्त पधारे ।

महोत्सव के मुख्य आकर्षण में अन्तर्राष्ट्रीय विधिकारक श्री विरलभाई-शिवगंज जिन्होंने सम्पूर्ण कार्यक्रमों में विधिविधान करवाया । भोजन-आवास-पूजा आदि अन्य सभी व्यवस्थाओं के सुसंचालन में श्री रमेशजी रायगाँधी-डुडसी का विशेष सहयोग रहा । मेहमानों को प्रतिदिन स्वादिष्ट व्यंजन का रसास्वादन कराने वाले श्री भाग्य केटर्स के श्री नेनाराम देवासी-सियाणा, सम्पूर्ण महोत्सव की फोटो-विडियों के माध्यम से स्थाई स्मृति प्रदान करने वाले श्री रघुभाई पारीक-श्री सिद्धकृपा स्टूडियो-भीनमाल, आकर्षक टेन्ट एवं विद्युत सज्जा शिव लाईट डेकोरेशन-बागरा, फूल नेट सज्जा श्री भँवर बागवान-भीनमाल ने अपनी उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान की । मिडिया के माध्यम से इस महोत्सव के समाचारों को जन-जन तक पहुँचाने में श्री सुखदेवसिंह राजपुरोहित-जीवाणा की सेवाएँ अनुमोदनीय रही । महोत्सव में प्रसिद्ध संगीतकार श्री त्रिलोक मोदी, अहमदाबाद ने गुरुभक्ति करते हुए सभी को भक्तिमय किया ।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

मन के उद्गार

परम कृपालु तीर्थाधिपतिश्री महावीर प्रभु, दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा., पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. एवं मेरी आस्था के आयाम, परम उपकारी योगिराज, कृपासिन्धु गुरुदेव श्री शान्ति-विजयजी म. सा. तथा गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के चरणों सविधि वन्दना।

अत्र विराजित भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी आचार्य भगवन्त श्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि चारित्र आत्माओं को वन्दन।

संयम जीवन के इन पचास वर्षों की यात्रा देव-गुरु और धर्म की कृपा से आनन्द से बीत गई। यह सब मेरे गुरुओं के आशीर्वाद का सुफल है। मेरे परिवार वाले नहीं चाहते कि मैं संयम पथ पर जाकर अपना आत्मकल्याण करूँ। परन्तु मेरी परम उपकारी गुरुमैया श्री लावण्यश्रीजी म. सा. ने योगिराजश्री शान्तिविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री जयन्तविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में मुझे अपना शिष्यत्व प्रदान किया और समय-समय पर मेरा मार्ग प्रशस्त करते हुए अपना आशीष प्रदान किया जिससे मेरा आत्मबल सदा मजबूत रहा। मेरे उपकारी माता पिता का भी मैं उपकार मानती हूँ कि उन्होंने मेरी हठ को मानकर प्रसन्नता से संयम मार्ग पर जाने की सहर्ष आज्ञा प्रदान की।

दीक्षा प्रदाता योगिराज श्री शान्ति बावजी की निश्रा में रहकर मैंने तप-जप और साधना-आराधना का महत्व जाना। स्वयं श्री शान्ति बावजी हमेशा कहते थे कि ज्ञान-ध्यान-साधना करते हुए जिनशासन की सेवा करनी ही साधु का कर्त्तव्य है। उन्होंने स्वयं भी यही किया और अन्य साधु-साध्वियों को भी करने की प्रेरणा प्रदान की।

आज मैं जो कुछ भी हूँ वह सब योगिराजश्री की असीम अनुकम्पा एवं पुण्य-सम्राट के आशीर्वाद से हूँ। श्री शान्तिविजयजी म. सा. के पश्चात् आचार्यश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की प्रेरणा और मार्गदर्शन मुझे शासन प्रभावना के प्रत्येक कार्य में पूर्ण रूपेण मिला। मैं उनके उपकार को भी नहीं भूल सकती हूँ।

जिनशासन के प्रभावना के कार्यों में श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों ने मेरे छोटे निवेदन पर अपना सहयोग प्रदान किया वे सभी साधुवाद के पात्र हैं। साथ ही मेरे प्रत्येक कार्य में और अस्वस्थता में शिष्याओं ने निःस्वार्थ भाव से सेवा की उनका भी मैं आभार मानती हूँ और आशीर्वाद प्रदान करती हूँ कि धर्म साधना करते हुए अपना आत्मकल्याण करते हुए गुरुगच्छ की कीर्ति को बढ़ावे।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी, श्री वर्धमान-राजेन्द्र भाग्योदय ट्रस्ट, भाण्डवपुर एवं श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, मोटेरा द्वारा संयम अनुमोदन के रूप में स्मारिका प्रकाशन कर मुझ पर उपकार किया है अतः वह भी साधुवाद के पात्र हैं। स्मारिका के प्रधान सम्पादक श्री आनन्दविजयजी म. सा., अरुणप्रभाश्री एवं संयोजक कुलदीप 'प्रियदर्शी' को भी साधुवाद प्रदान करती हूँ जिन्होंने इसे सजाने-सँवारने में पूर्ण परिश्रम किया।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ
2 दिसम्बर 2019

-साध्वी सूर्यकिरणाश्री

श्री सूर्य संयम स्वर्ण महोत्सव के अन्तर्गत

तीर्थाधिपतिश्री महावीर प्रभु को रत्नजड़ित आँगी एवं मुकुट समर्पण लाभार्थी
श्रेष्ठीवर्यश्री सुखराजजी चमनाजी कबदी परिवार
गोल्डन ग्रुप-धानसा, मुम्बई

सूर्य संयम स्वर्ण स्मारिका प्रकाशन लाभार्थी
श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय जैन श्वेताम्बर संघ,
आलासन (राज.)

अट्ठम तप प्रभावना के लाभार्थी
शाह साँकलचन्दजी नेथीजी हुकमाणी परिवार,
पाँथेड़ी-मुम्बई

आयम्बिल तप प्रभावना के लाभार्थी
प्रीतिकुमारी बाबूलालजी ताराचन्दजी वाणीगोता परिवार
बागोड़ा (राज.)

वैयावच्च एवं ज्ञानोपकरण लाभार्थी
श्रीमती भावीबेन नगीनदास रायचन्दभाई मोरखिया
धानेरा (उ. गु.)

जय जिनेन्द्र के लाभार्थी
शाह मेघराजजी आदाजी छत्रियावोरा परिवार (मिलियन ग्रुप),
सुराणा-विजयवाड़ा-दिल्ली-मुम्बई-हरिद्वार-हैदराबाद

।। तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामिने नमः ।।
।। प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वर सद्गुरुभ्यो नमः ।।

अतिप्राचीन
श्री भाण्डवपुर तीर्थे
भव्य भागवती प्रवज्या प्रसंगे
रत्नत्रयी महोत्सव
आत्मीय-आमन्त्रण

दिनांक 11-12-13 फरवरी 2019

दिव्याशीष- प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.
प. पू. योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
आशीर्वाद- प. पू. गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

शुभनिश्रा
प. पू. भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघ एकता के शिल्पी
श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द

मुमुक्षु श्री आजादकुमार जैन
श्री मोतीलालजी जैन (पिपलौंदा वाले)

आप सभी सादर आमन्त्रित हैं

❊ आमन्त्रक ❊
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
श्री भाण्डवपुर तीर्थ (राज.

सूर्य संयम स्वर्ण महोत्सव में लाभार्थी परिवार उपकरण वोहराते हुए चित्रमय झलकियाँ

मुहपत्ति वोहराते | वस्त्र वोहराते | पाटली वोहराते | आसन वोहराते

दर्शन चौबीसी वोहराते | स्थापनाचार्य वोहराते | संथारिया वोहराते | ओघा वोहराते

ओघा वोहराते | कामली वोहराते | कामली वोहराते | गुरुपूजन करते

पाद प्रक्षालन करते | पगलिया करते | बालगोता परिवार के साथ | केसर छाँटना

मुनिराजश्री को केसर छाँटते | प्रसन्न मुद्रा में | आशीर्वाद देते | श्रमणिवृन्द के साथ

मुनिश्री शुभकामना देते | आनन्द के क्षण | लेटा महन्तश्री आशीष लेते | प्रियदर्शी को आशीर्वाद देते

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month.' Published 1st & 15th of every month
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....

.....

.....

Printed, Published and Owned by **PANKAJ BHAVARLAL BALAR** and Printed at Sundhine Photo Print Pvt. Ltd., F/4, Tushar Center, Near Ambalal Avenue, Stadium Circle, Navrangpura, Ahmedabad-380 009 and Published from Shri Shantidoot Jainodaya Trust, Visat Koba Highway, Motera, Sabarmati, Ahmedabad-380 005, Aditor- **PANKAJ BHAVARLAL BALAR**

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222